697

# SA-01

## June - Examination 2019

## B.A. Pt. I Examination

## Natak, Katha, Sahitya, Chhand Evam Alankar

## नाटक, कथा साहित्य, छन्द एवं अलंकार

## Paper - SA-01

**Time : 3 Hours ]** **[ Max. Marks :- 70**

**निर्देश :** इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**(खण्ड – अ)** **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) प्रद्योत कहाँ के राजा थे?

(ii) वासवदत्ता पद्मावती की विवाहमाला में कौन सी औषधि गूंथना अनावश्यक मानती है?

(iii) वासवदत्ता की माँ का नाम बताइये।

(iv) शीर्षवेदना से पीड़ित पद्मावती की शैय्या कहाँ बिछाई गई थी?

(v) हितोपदेश के रचयिता का नाम बताइये।

(vi) अनुप्रास अलंकार का लक्षण लिखिये।

(vii) इन्द्रवज्रा छन्द का लक्षण बताइये।

## (खण्ड – ब) $4 \times 7 = 28$

(लघुत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

(i) विश्रब्धं हरिणाश्चरन्त्यचकिता देशागतप्रत्यया
वृक्षाः पुष्पफलैः समृद्धविटपाः सर्वे दयारक्षिताः।
भूमिष्ठं कपिलानि गोकुलधनान्यक्षेत्रवत्यो दिशो
निःसन्दिग्धमिदं तपोवनमयं धूमो हि बह्वाश्रयः।।

(ii) ऋज्वायतां हि मुखतोरणलोलमालां
भ्रष्टां क्षितौत्वमवगच्छसि मूर्ख! सर्पम्।
मन्दानिलेन निशि या परिवर्तमाना
किञ्चित् करोति भुजगस्य विचेष्टितानि।।

3) पद्मावती की चारित्रिक विशेषताएं बताइये।

4) दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए –

(i) कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः।

(ii) आगमप्रधानानि सुलभपर्यवस्थानानि महापुरुषहृदयानि भवन्ति।

(iii) अनतिक्रमणीयो हि विधिः।

(iv) सत्कारो हि नाम सत्कारेण प्रतीष्टः प्रीतिमुत्पादयति।

5) निम्नलिखित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण लिखिए –
   (i) शालिनी
   (ii) पुष्पिताग्रा

6) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नामकरण की सार्थकता सिद्ध करते हुए नाटक के कथानक का परिचय दीजिए।

7) संस्कृत नीतिकथा–साहित्य का परिचय दीजिए।

8) कर्पूरतिलक हाथी व धूर्त श्रृगाल की कथा का सारांश लिखकर कथा से प्राप्त शिक्षा भी बताइये।

9) किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण बताइये –
   (i) श्लेष
   (ii) रूपक
   (iii) सन्देह
   (iv) समासोक्ति

**(खण्ड – स)** **$2 \times 14 = 28$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) किन्हीं दो पद्यों की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
   (i) उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मी
   दैवेन देयमितिकापुरुषा वदन्ति।
   दैवं निहत्य कुरु पौरुषमात्मशक्त्या
   यत्ने कृते यदि न सिद्ध्यति कोऽत्र दोषः।।

(ii) न कश्चित् कस्यचिन् मित्रं,
न कश्चित्कस्यचिद्रिपुः।
व्यवहारेण मित्राणि जायन्ते
रिपवस्तथा।।

(iii) तानीन्द्रियाण्यविकलानि तदेव नाम
सा बुद्धिरप्रतिहता वचनं तदेव।
अर्थोष्मणा विरहितः पुरुषः स एव
अन्यःक्षणेन भवतीति विचित्रमेतत्।।

(iv) मृद्घटवत् सुखमेद्यो दुःसन्धाश्च दुर्जनो भवति।
सुजनस्तु कनकघटवत् दुर्भेद्यश्चाशु सन्धेयः ।।

11) स्वप्नवासवदत्तम् के आधार पर भास की नाट्य–कला की समीक्षा कीजिए।

12) भास के नाटकों की विशेषताएं बताते हुए संस्कृत साहित्य में भास का स्थान निर्धारित कीजिए।

13) जरद्गव गिद्ध व मार्जार तथा सञ्चयशील जम्बुक कथाओं का सारांश लिखकर उनसे प्राप्त होने वाली शिक्षा बताइये।